अभिनव प्रयोग

प्रवेश प्रक्रिया

महाविद्यालय की **कार्यप्रणाली का प्रथम दर्शन** नवागत विद्यार्थी प्रवेश प्रक्रिया से ही करता है। प्रवेश प्रक्रिया हेतु तिथियाँ **स्थापना काल से ही** निर्धारित है। **15 जुलाई** को प्रवेश अर्हता सूची प्रकाशित। साक्षात्कार हेतु **दो बोर्ड** गठित एक छात्र–छात्राओं का और दूसरे शिक्षकों का। विश्वविद्यालय पूर्व परीक्षा में प्रथम तीन स्थान प्राप्त सभी कक्षाओं के विद्यार्थी प्रवेश समिति के सदस्य होते हैं और यही चक्रानुक्रम में प्रतिदिन नवागत छात्र–छात्राओं का साक्षात्कार करते हैं। विद्यार्थियों की प्रवेश परामर्श समिति की संस्तुति पर ही शिक्षकों की प्रवेश समिति साक्षात्कार करती है। **यहीं से विद्यार्थी को यह प्रेरणा मिलती है कि हम साक्षात्कार ले भी सकते हैं, पढ़ना पड़ेगा।**

प्रवेश आवेदन-पत्र

आवेदन पत्र क्रमांक : 3370 — जमा करने की अन्तिम तिथि 2 जुलाई

कार्यालय प्रयोग हेतु				प्राचार्य/प्रवेश समिति सदस्य का हस्ताक्षर	आवेदन पत्र शुल्क	रू0 200/-
इण्टर प्राप्तांक	अधिभार	योग	हस्ताक्षर		उत्तीर्ण होने का वर्ष	
					मेरिट सूची	

महाराणा प्रताप महाविद्यालय

जंगल धूसड़, गोरखपुर

प्रवेश आवेदन पत्र 2015–16

अभ्यर्थी का छाया चित्र

कला [ ] विज्ञान [ ] वाणिज्य [ ] वर्ष [ ]

अभ्यर्थी का नाम ....

पिता/पति का नाम ....

माता का नाम ....

अभिभावक का नाम ....

स्थायी पता ....

.... फोन नं. ....

पत्राचार पता ....

.... फोन नं. ....

जन्मतिथि दिनांक [ ] माह [ ] वर्ष [ ]

अभ्यर्थी द्वारा अन्तिम कक्षा में उत्तीर्ण परीक्षा का विवरण

उत्तीर्ण कक्षा	संस्था/विद्यालय का नाम	परीक्षा लेने वाली संस्था	परीक्षा वर्ष	विषय	पूर्णांक	प्राप्तांक/प्रतिशत

विषय की संयुक्तियाँ जो अभ्यर्थी लेना चाहता है – (पाठ्यक्रम में निर्धारित वर्ग के अनुसार)

(1) .... (2) .... (3) ....

आरक्षण/अधिभार (विवरण) अनु0जा0/ जन0जा0 [ ] पिछड़ा [ ] विकलांग [ ]

अन्य अधिभार ....

निर्देश–(1) आवेदन पत्र के साथ किसी भी प्रमाण पत्र की छाया प्रति न लगायें।

(2) प्रवेश के समय सभी मूल प्रमाण पत्र, उनकी छाया–प्रति एवं दो फोटो लेकर आवें।

अभ्यर्थी कृपया इस पृष्ठ पर कुछ न भरें।

कार्यालय प्रयोग हेतु

प्रवेश परामर्श समिति (छात्र)

सदस्य के नाम	हस्ताक्षर	अंक	अभिमत
1.	....		सामान्य [ ]
2.	....		अच्छा [ ]
3.	....		बहुत अच्छा [ ]
	अंको का सम्पूर्ण योग		हस्ताक्षर संयोजक

प्रवेश समिति (शिक्षक)

सदस्य के नाम	हस्ताक्षर	अंक	अभिमत
1.	....		सामान्य [ ]
2.	....		अच्छा [ ]
3.	....		बहुत अच्छा [ ]
	अंको का सम्पूर्ण योग		हस्ताक्षर संयोजक

प्रवेश स्वीकृत/अस्वीकृत	कार्यालय प्रयोग हेतु		शुल्क प्राप्त करने वाले का हस्ताक्षर
हस्ताक्षर	खाता संख्या	दिनांक	
प्राचार्य/संयोजक प्रवेश समिति			

प्रवेश के समय घोषणा पत्र (अभ्यर्थी द्वारा)

1. मैंने महाविद्यालय द्वारा प्रकाशित विवरण पत्रिका एवं नियमावली का अध्ययन कर लिया है। मैं समस्त निर्देशों का पालन करने को तैयार हूँ। अन्य जो भी नियम निर्देश होंगे अथवा जो भी नियम समय–समय पर लागू किये जायेंगे मैं उन सभी का पालन करूँगा/करूँगी।
2. मैं प्रतिज्ञा करता/करती हूँ कि कक्षा में नियमित रहूँगा/रहूँगी। निर्धारित समय पर शुल्क जमा करूँगा/करूँगी। मैं भली–भाँति जानता/जानती हूँ कि सैद्धान्तिक तथा प्रयोगात्मक कक्षाओं में अलग–अलग कम से कम 75 प्रतिशत उपस्थिति आवश्यक है। यदि मेरी उपस्थिति 75 प्रतिशत से कम होगी तो महाविद्यालय को यह अधिकार होगा कि मुझे परीक्षा में सम्मिलित होने से वंचित कर दे। इस सम्बन्ध में महाविद्यालय का निर्णय मुझे मान्य होगा।
3. मैं प्रमाणित करता/करती हूँ कि इस आवेदन–पत्र में उल्लिखित सभी बातें सत्य हैं। मैं घोषणा करता/करती हूँ कि उपर्युक्त वक्तव्य यदि असत्य पाया जाय तो मेरे विरुद्ध अनुशासनिक कार्यवाही जिसमें प्रवेश को रद्द करना भी सम्मिलित है, की जा सकती है।

प्रवेश के समय संलग्नकों की सूची (सत्यापित एवं स्वहस्ताक्षरित) –

1. 2. 3.

4. 5. 6.

दिनांक : ....

स्थान : ....

अभ्यर्थी का हस्ताक्षर

(प्रवेश के समय)

हमारी कार्यालयी कार्य-संस्कृति

- छात्रहित एवं छात्र सुविधा सर्वोपरि।
- शिक्षक के कार्य सम्पन्न कर उनके टेबल तक पहुँचाना।
- किसी भी प्रमाण–पत्र, आवेदन–पत्र अथवा कार्य हेतु किसी विद्यार्थी को दूसरी बार न आना पड़े, यह सुनिश्चित परम्परा।
- प्रतिदिन का कार्य उसी दिन पूर्ण करना अनिवार्य।
- प्रतिदिन की आय अगले दिन 12 बजे तक बैंक के खाते में जाना सुनिश्चित।

प्रार्थना सभा

प्रार्थना सभा

- प्रार्थना सभा में राष्ट्रगान, राष्ट्रगीत, सरस्वती वन्दना, ईश वन्दना के साथ प्रतिदिन भगवद्गीता के पाँच श्लोक का वाचन
- यदि कोई महत्वपूर्ण दिवस, किसी महापुरूष की जयन्ती, पुण्य तिथि होती है तो उस दिन भगवद्गीता के स्थान पर उस संदर्भ में उद्बोधन–श्रद्धांजलि दी जाती है।
- प्रार्थना सभा हेतु प्रति माह का मासिक प्रार्थना सभा विवरण सूचना पट्ट एवं वेबसाइट पर लगा होता है।

क्रमिक विकास

- 2005–06 में प्राचार्य के सुझाव पर विजयादशमी के बाद प्रार्थना प्रारम्भ।
- प्रारम्भ में सरस्वती वन्दना एवं ईश वन्दना।
- साधारण सभा में आये सुझाव से **राष्ट्रगीत** जुड़ा।
- प्रबन्ध समिति के सुझाव पर **राष्ट्रगान** जुड़ा।
- शिक्षकों के सुझाव पर **भगवद्गीता** जुड़ा।
- प्राचार्य के सुझाव पर **महापुरूष / प्रमुख दिवस** का उद्बोधन जुड़ा।

महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर महाविद्यालय, जंगल धूसड़, गोरखपुर

प्रार्थना–सभा — माह–नवम्बर, 2013

दिन	दिनांक	वर्ष	दिवस	उद्बोधक
शुक्रवार	01		धनतेरस (धनवन्तरि जयन्ती)	अवकाश
शनिवार	02		पूर्व संध्या श्रीमहावीर स्वामी, स्वामी दयानंद, स्वामी रामतीर्थ निर्वाण दिवस	डॉ. अविनाश प्रताप सिंह
रविवार	03		दीपावली, श्रीमहावीर स्वामी, स्वामी दयानंद, स्वामी रामतीर्थ निर्वाण दिवस	अवकाश
…मवार	04		गोवर्द्धनपूजा, वासुदेव बलवंत फड़के जन्म दिवस	अवकाश
…ार	05		भईयादूज, चित्रगुप्त पूजन	अवकाश
	06		विश्वामित्र जयंती	श्री लोकेश प्रजापति
	…7	1858,1888	विपीन चन्द्रपाल तथा वैज्ञानिक चन्द्रशेखर वेंकेट रमण जयंती	श्री सुबोध मिश्र
			श्रीमद भगवद्गीता पाठ	
			श्रीमद भगवद्गीता पाठ	
				अवकाश
			श्रीमद भगवद्गीता पाठ	
			…हात्मा मदनमोहन मालवीय पूण्यतिथि	श्री पुरूषोत्तम पाण्डेय
				अवकाश
				अवकाश
			…गीता पाठ	
			…दान दिवस, श्री गुरूनानक देव जयंती (पूर्व संध्या)	डॉ. महेन्द्र कुमार सिंह
			…लदान दिवस, श्री गुरूनानक देव जयंती	अवकाश
			…ता पाठ	
			…ाई, एकनाथ रानाडे, भाऊराव देवदास जयंती	श्रीमती शालिनी चौधरी
			…गवद्गीता पाठ	
			…त्मा फूले पुण्यतिथि / महामना पूण्यतिथि	डॉ. विजय कुमार चौधरी
			श्रीमद भगवद्गीता पाठ	
			वैज्ञानिक जगदीश चन्द्र वसु जयंती, गुरूतेग बहादुर बलिदान दिवस (पूर्व संध्या)	श्री अमित मिश्रा
			गुरू तेग बहादुर बलिदान दिवस	अवकाश
			श्रीमद भगवद्गीता पाठ	
			श्रीमद भगवद्गीता पाठ	
	27		श्रीमद भगवद्गीता पाठ	
	28		श्रीमद भगवद्गीता पाठ	
…वार	29		श्रीमद भगवद्गीता पाठ	
शनिवार	30		श्रीमद भगवद्गीता पाठ	

मासिक विवरण नवम्बर - 2013

छात्रसंघ

महाविद्यालय में **स्थापना काल** से ही छात्रसंघ है। छात्रसंघ विद्यार्थी के व्यक्तित्त्व विकास का साधन है। छात्रसंघ का विकास भी क्रमशः निम्नवत हुआ–

2006 – 2007 कक्षा प्रतिनिधि का चुनाव प्रश्नपत्र द्वारा **सर्वोच्च अंकाधारित**। **अध्यक्ष, उपाध्यक्ष, महामंत्री भाषण प्रतियोगिता** में क्रमशः प्रथम, द्वितीय, तृतीय स्थान पर कक्षा प्रतिनिधियों में से चुने जाते थे।

2008 – 2009 कक्षा प्रतिनिधि सर्वोच्च अंक एवं उपस्थिति के औसतन सर्वोच्च अंकाधारित।
पदाधिकारियों का चुनाव, **कक्षा प्रतिनिधियों के मतदान** द्वारा।

2010 से पदाधिकारियों का चुनाव सभी **छात्र–छात्राओं के मतदान** द्वारा।

छात्रसंघ के प्रतिनिधि एवं पदाधिकारी महाविद्यालय की विभिन्न समितियों के पदेन सदस्य हो जाते हैं। इस प्रकार महाविद्यालय की विकास प्रक्रिया में विद्यार्थियों की प्रत्यक्ष सहभागिता होती है। 2011 से छात्रसंघ का 100 रू. प्रति छात्र शुल्क लिया जाता है, जो छात्रसंघ खाते में जमा होता है। छात्रसंघ कार्यकारिणी साधारण सभा की स्वीकृति से अपने कोष का उपयोग करती है।

वर्तमान में प्रस्ताव स्वीकृत है कि 80 प्रतिशत व्यय सारांश एवं प्रोजक्टर पर व्यय किया जाय। वस्तुतः छात्रसंघ विद्यार्थियों की व्यक्तित्त्व विकास का एक यंत्र है।

चुनाव आचार संहिता एवं चुनाव-व्यय

- चुनाव प्रचार का एकमात्र आधार योग्यता भाषण का मंच है।
- परिसर एवं कक्षाओं में चुनाव प्रचार हेतु किसी प्रकार का भाषण प्रतिबन्धित है।
- प्रचार हेतु किसी प्रकार की छपी सामग्री प्रतिबन्धित है।
- चुनाव पर प्रत्याशी एवं उसके समर्थकों द्वारा किसी प्रकार व्यय प्रतिबन्धित है।
- चुनाव का पूरा खर्च छात्रसंघ खाते से किया जाता है।

बिना किसी खर्च के चुनाव का माडल हमने प्रस्तुत किया है।

वार्षिक योजना बैठक

शपथ ग्रहण के पश्चात् एक सप्ताह के अन्दर छात्रसंघ की वार्षिक योजना बैठक सम्पन्न होती है। इसी बैठक में महाविद्यालय की **विभिन्न समितियों** यथा पुस्तकालय, प्रयोगशाला, नियन्ता मण्डल, छात्रा समिति, क्रीड़ा समिति, सूचना एवं परामर्श समिति, प्रार्थना एवं स्वच्छता समिति, बागवानी समिति, सांस्कृतिक कार्यक्रम समिति इत्यादि में सहमति से सदस्यों के नाम निर्धारित किये जाते हैं। छात्रसंघ अध्यक्ष द्वारा समितियों की सूची प्राचार्य को दे दी जाती है। तत्पश्चात प्राचार्य सम्बन्धित प्रभारी के पास यह सूची भेज देते हैं।

छात्रसंघ की अभिनव कार्य प्रणाली

कार्यकारिणी की बैठक

छात्रसंघ की कार्यकारिणी की बैठक सामान्यतः **अवकाश** में अथवा **रविवार** को सम्पन्न होती है। कार्यकारिणी सामान्यतः छात्र समस्याओं, महाविद्यालय के विकास हेतु अपने **सुझाव**, **बजट** का क्रियान्वयन आदि पर चर्चा कर निर्णय लेते हैं। यह निर्णय स्वीकृति हेतु **साधारण सभा** में प्रस्तुत किया जाता है।

छात्रसंघ की अभिनव कार्य प्रणाली

छात्रसंघ साधारण सभा

- सामान्यतः महीने के प्रथम कार्य दिवस में साधारण सभा।
- साधारण सभा में सभी छात्र, शिक्षक, प्राचार्य।
- **प्रथम चरण**–छात्र समस्या

- **द्वितीय चरण**–प्राचार्य द्वारा समाधान।
- **तृतीय चरण**–संकल्प।
- **चतुर्थ चरण**–समसामयिक परिचर्चा।

महाराणा प्रताप पी.जी. कालेज, जंगल धूसड़, गोरखपुर

कक्षा : बी.एस-सी. भाग-एक | पाठ्यक्रम योजना : सत्र २०१४-२०१५ | विषय : रसायन विज्ञान (Chemistry)

दिनांक	व्याख्यान	प्राध्यापक का नाम	प्रश्नपत्र	अध्याय	शीर्षक
02.08.2014	1	डॉ. एस. के. बर्नवाल	तृतीय	Structure & Reactivity	Hybridisation, Homolysis & Heterolysis
04.08.2014	2	डॉ. एस. के. बर्नवाल	तृतीय	Structure & Reactivity	Free radicals, carbocations & carbanions
05.08.2014	1	डॉ. आर. सहाय	प्रथम	Gaseous State	Postulate of kinetic theory of gases
06.08.2014	2	डॉ. आर. सहाय	प्रथम	Gaseous State	Deviation from ideal behaviour
07.08.2014	1	डॉ. एस. सिंह	द्वितीय	Atomic structure & periodic table	Quantum numbers
08.08.2014		डॉ. एस. सिंह		कक्षाध्यापन	
09.08.2014	3	डॉ. एस. के. बर्नवाल	तृतीय	Structure & Reactivity	Stability of free radicals, carbocations & carbanions
11.08.2014	4	डॉ. एस. के. बर्नवाल	तृतीय	Structure & Reactivity	Polarity of covalent bonds, Inductive effect
12.08.2014	3	डॉ. आर. सहाय	प्रथम	Gaseous State	Van der waals equation of state
13.08.2014	4	डॉ. आर. सहाय	प्रथम	Gaseous State	Critical phenomena,P.V.isotherm of Van der waals equation
14.08.2014	2	डॉ. एस. सिंह	द्वितीय	Atomic structure & periodic table	Shapes of s,p,d, orbitals, Aufbau principle
16.08.2014		डॉ. एस. सिंह		कक्षाध्यापन	
19.08.2014	5	डॉ. एस. के. बर्नवाल	तृतीय	Structure & Reactivity	Electromeric effect
20.08.2014	6	डॉ. एस. के. बर्नवाल	तृतीय	Structure & Reactivity	Resonance & Hperconjugation
21.08.2014	5	डॉ. आर. सहाय	प्रथम	Gaseous State	Continuity of state, the isotherms of Van der waals equation
22.08.2014	6	डॉ. आर. सहाय	प्रथम	Gaseous State	Relationship between critical constants and Van der waals constant
23.08.2014	3	डॉ. एस. सिंह	द्वितीय	Atomic structure & Periodic table	Paulis exclusion principle, Hund's rule, Energy level diagram, Long form of periodic table
25.08.2014		डॉ. एस. सिंह		मासिक मूल्यांकन	
26.08.2014	7	डॉ. एस. के. बर्नवाल	तृतीय	Structure & Reactivity	Hydrogen bonding
27.08.2014	8	डॉ. एस. के. बर्नवाल	तृतीय	Stereochemistry	Chirality, element of symmetry
28.08.2014	7	डॉ. आर. सहाय	प्रथम	Gaseous State	The law of corresponding states, reduced equation of state
29.08.2014	8	डॉ. आर. सहाय	प्रथम	Gaseous State	Root mean, square, Average velocities
30.08.2014	4	डॉ. एस. सिंह	द्वितीय	Periodic properties of elements	Types of Radii
01.09.2014		डॉ. एस. सिंह		कक्षाध्यापन	
02.09.2014	9	डॉ. एस. के. बर्नवाल	तृतीय	Stereochemistry	Optical isomerism of lactic acid
03.09.2014	10	डॉ. एस. के. बर्नवाल	तृतीय	Stereochemistry	Racemisation & Resolution
04.09.2014	9	डॉ. आर. सहाय	प्रथम	Gaseous State	Most probable velocities

पाठ्यक्रम योजना

महाविद्यालय में **स्थापना काल** से ही लागू पाठ्यक्रम योजना अनुभवों के आधार पर अब पूर्ण व्यवस्थित एवं शत–प्रतिशत लागू है। सभी शिक्षक अपने विषय, प्रश्नपत्र को पढ़ाया जाने वाला अध्याय/शीर्षक तिथिवार तैयार करते हैं। **द्वितीय एवं तृतीय** वर्ष की पाठ्यक्रम योजना **15 जुलाई** तथा **प्रथम वर्ष** की पाठ्यक्रम योजना **30 जुलाई** तक **वेबसाइट पर** प्रकाशित कर दी जाती है। पूर्व में यह **पुस्तक स्वरूप** में प्रकाशित की गई थी। परिणामतः 14 फरवरी तक पाठ्यक्रम पूर्ण हो जाता है। वर्तमान सत्र में पाठ्यक्रम पूर्ण करने की अंतिम तिथि 30 जनवरी है।

व्याख्यान सारांश

सुबोध कुमार मिश्र   महाराणा प्रताप पी० जी० कालेज   व्याख्यान सं०-51
दिनांक - 24.12.2012   जंगल धूसड़, गोरखपुर
कक्षा - BA Ist, प्रथम प्रश्न पत्र

शीर्षक :- गुप्त राजवंश : रामगुप्त की ऐतिहासिकता

20वीं शताब्दी के आरम्भिक दशकों में इतिहासकारों का विचार था कि समुद्रगुप्त के पश्चात गुप्त वंश में चन्द्रगुप्त द्वितीय ने शासन किया, परन्तु कालान्तर में कुछ नवीन पुरातात्विक एवं साहित्यिक साक्ष्यों के आधार पर अब यह स्वीकार किया जाने लगा है कि समुद्रगुप्त के पश्चात कुछ समय के लिए उसके ज्येष्ठ पुत्र रामगुप्त ने शासन किया था।

रामगुप्त की ऐतिहासिकता पर प्रकाश डालने वाले कुछ साहित्यिक एवं पुरातात्विक साक्ष्य अग्रलिखित हैं।

साहित्यिक स्रोत
- विशाखदत्त कृत देवीचन्द्रगुप्तम्
- बाणभट्ट कृत हर्षचरित
- राजशेखर कृत काव्यमीमांसा
- भोज कृत श्रृंगार-प्रकाश
- शंकरार्य कृत हर्षचरित की टीका
- अबुल हसन अली कृत मजमल-उत-तवारीख

अभिलेखिक स्रोत
- संजन ताम्रपत्र
- कांग्रे का लेख
- सांगली लेख
- दुर्जनपुर अभिलेख

मौद्रिक साक्ष्य
एरण तथा भिलसा से प्राप्त ताम्र मुद्राऐं।

ऐतिहासिकता का विरोध	निराकरण
गुप्त अभिलेखों में रामगुप्त का उल्लेख नहीं है ?	अभिलेख वंशपरंपरा के उत्कीर्ण करवाये जाते थे। कायरों, हत्यारों का नाम छोड़ दिया जाता था।
रामगुप्त का कोई अभिलेख एवं स्वर्ण मुद्राऐं नहीं मिली जबकि समुद्रगुप्त शासन भी मिल्ली हैं।	अब रामगुप्त का ताम्र अभिलेख एवं ताम्र मुद्राऐं प्राप्त हो चुकी हैं।
गुप्त अभिलेखों में चन्द्रगुप्त II के लिये "तत्परिगृहीत" अर्थात् जिसको उसके पिता द्वारा निर्वाचित किया गया हो।	यह एक सामान्य प्रचलित शब्द था जिसका प्रयोग सामन्त भी करते थे।
चन्द्रगुप्त II का चरित्र इतना गरहित नहीं था कि वह अपने बड़े भाई की हत्या करके उसकी पत्नी से विवाह करता।	स्मृतियों के विशेष परिस्थितियों में यह कृत्य तर्कसम्मत एवं शास्त्रानुमोदित है।

DR. S. K. VERNWAL   B.Sc. Part-II (Chemistry Paper-III)
Date: 04.09.2013   Lecture No.- 11
Maharana Pratap P.G. College, Jungle Dhusan, Gorakhpur

Orientation in aromatic substitution:- Benzene and other aromatic compounds undergo electrophilic substitution reaction. Since the electron density is uniform in benzene, the electrophile has equal fascility at all the positions and hence only one monosubstituted product is formed.

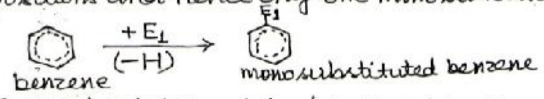

When a second substituent is introduced in the monosubstituted benzene three possible isomers, ortho, meta and para are obtained as given below-

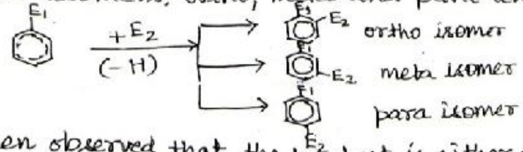

It has been observed that the product is either a mixture of ortho- and para-isomer, or the single meta isomer.

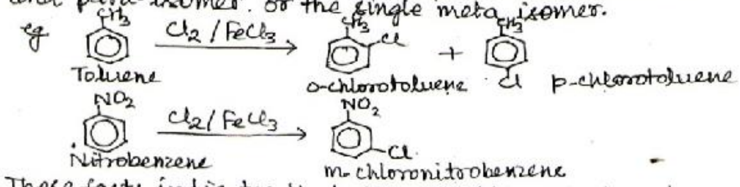

These facts indicates that, the substituent already present in the benzene ring determines the position of the incoming substituent. The ability of a group already present in the ring to direct the incoming group is called directive influent of the group. Depending upon the nature of the directive influence, the substituents are divided into two groups-

① **Ortho- and para-directing groups** – The groups which direct the incoming group to the ortho and para positions are called ortho-para directing groups. eg. – OH, $-NH_2$, –O-R, –F, –Cl, –Br, –I, –R, etc.
These groups increase the electron density at their ortho- and para positions, therefore the electrophile will prefer to attack on these positions.

② **Metadirecting groups** – The groups which direct the incoming group to the meta position are called meta directing groups. eg. $-NO_2$, –CN, –CHO, $-SO_3H$, –COOH, etc.
These groups decrease the electrondensity at their ortho- and para positions, therefore the incoming electrophile will prefer to occupy the meta position having relatively higher electron density.

04.09.2013

स्वैच्छिक श्रमदान

महाविद्यालय की यह एक महत्त्वाकांक्षी योजना है। प्रत्येक **शनिवार** को **12.10 बजे से 1.10 बजे तक** स्वैच्छिक श्रमदान। तत्पश्चात् कक्षाएँ **40 मिनट** की होती है। स्वैच्छिक श्रमदान में शिक्षक, कर्मचारी, विद्यार्थी स्वेच्छा से सम्मिलित होते हैं। यह योजना श्रम के प्रति महत्त्व, स्वच्छता के प्रति आग्रही तथा सेवाभाव के प्रस्फुटन हेतु लागू है। योजना पूर्णतः सफल है।

स्वैच्छिक श्रमदान

स्वैच्छिक श्रमदान और अखबार की टिप्पणी

महाविद्यालय की सुस्थापित परम्परा, शौचालय स्वच्छता के लिए अलग से किसी द्वारा स्वीपर का कार्य नहीं

हिन्दुस्तान
गोरखपुर • रविवार • 28 सितम्बर 2014

घंटी बजते ही झाड़ू उठा लेते हैं प्राचार्य, शिक्षक और विद्यार्थी

गोरखपुर | प्रमुख संवाददाता

मध्याह्न 12:10 बजे। टनटनटन.... टनटनटन...। महाराणा प्रताप स्नातकोत्तर कॉलेज जंगल धूसड़ में तीसरा पीरियड खत्म होने पर बजने वाली यह घंटी रोज इंटरवल की सूचना देती है, लेकिन शनिवार को शिक्षक और छात्र-छात्राओं ने झाड़ू, पाइप, बाल्टी, फावड़ा और टोकरी उठा ली। किसी को बात करने की फुर्सत नहीं। हर कोई पहले से जानता है कि उसे क्या करना है। कुछ ही पल में कोई खिड़की साफ करने में तो फर्श, सीढ़ी, ट्वायलेट या बगीचे में उग आई झाड़ियों की सफाई में जुट गया है।

नोटिस बोर्ड पर लगी समय सारिणी पर नजर गई तब पता चला कि शनिवार को यहां इंटरवल नहीं होता। यह समय साफ-सफाई का है। स्वैच्छिक श्रमदान के इस एक घंटे में कालेज का कोना-कोना चमका दिया जाता है।

वर्ष 2005 में स्थापना के पहले साल से ही कॉलेज में शनिवार का यह अभियान चलता है। प्राचार्य डॉ. प्रदीप राव बताते हैं, 'विद्यार्थी जीवन में डेस्क पर जमा धूल हर सुबह मुझे परेशान करती थी। महसूस किया कि यह काम अकेले चपरासियों के बस का नहीं। जो विद्यार्थी, शिक्षक या प्राचार्य विद्यालय को खुद साफ करता है, उसके रहते कोई परिसर को गंदा नहीं कर सकता।'

एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़

- हर शनिवार को कॉलेज में दिखता है यह नज़ारा
- दो अक्तूबर को पीएम मोदी करने वाले हैं स्वच्छ भारत अभियान का शुभारम्भ

एमपीपीजी कॉलेज जंगल धूसड़ में शनिवार को इंटरवल नही होता, इसी समय में छात्र और शिक्षक कॉलेज परिसर की सफाई करते है

माहौल ऐसा है कि छात्रों-शिक्षकों के बीच स्वैच्छिक श्रमदान की सूची में अपना नाम दर्ज कराने की होड़ मची रहती है। शुक्रवार दोपहर को ही नोटिस बोर्ड पर अलग-अलग टोलियों की सूची लग जाती है। हर टोली में दो शिक्षक-10 छात्र। लेकिन कोई किसी का नेतृत्व नहीं करता। न किसी से कुछ कहना होता है। युद्ध छिड़ने पर जैसे सायरन बजते ही सैनिक सीमा पर जाने के लिए तैनात हो जाते हैं शनिवार को 12:10 की घंटी बजने के बाद यहां वही नजारा देखने को मिलता है।